POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A. Part-2 (Hons) Paper 4

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

संविधानवाद की विशेषताएँ

संविधानवाद चाहे किसी भी देश का हो उसकी कुछ सामान्य विशेषताएँ होती हैं। इसकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

① संविधानवाद मूल्ययुक्त धारणा :— यह राष्ट्र के जीवन दर्शन से जुड़ी हुई धारणा है। यह उन मूल्यों, विश्वासों की ओर संकेत करता है जो राष्ट्र के हर नागरिक से जुड़ी होती है।

② संस्कृति सम्बद्ध अवधारणा :— प्रत्येक देश के आदर्श, मूल्य, विचारधाराएँ उस देश की संस्कृति से ही उपजे होते हैं। संविधानवाद की धारणा स्थान विशेष की संस्कृति से संबद्ध पाई जाती है।

③ गत्यात्मक अवधारणा :— इसकी एक बड़ी विशेषता यह है कि इसमें स्थायित्व के साथ-साथ गत्यात्मकता पाई जाती है। यह प्रगति में बाधक नहीं बल्कि प्रगति का साधक बना रहता है। यह नये मूल्यों की स्थापना व प्राप्ति का माध्यम भी है तथा समाज के वर्तमान मूल्यों के साथ ही उसके भविष्य की आकांक्षाओं का प्रतीक भी है।

Scanned with CamScanner

④ सहभागी धारणा :- कई देशों के राजनीतिक आदर्श, आस्थाएँ, मान्यताएं समान हो सकते हैं। ऐसे देशों में संविधानवाद आधारभूत समानताएँ रखता है। जैसे पाश्चात्य संस्कृति वाले देशों में संविधानवाद में समानता पाई जाती है।

⑤ साध्य से संबंधित धारणा :- यह साध्य से संबंधित अवधारणा है पर साधनों की पूर्णतया अवहेलना नहीं कर सकता। यहां साध्य का संबंध उन आदर्शों से है जिसे समाज साध्य के रूप में अंगीकार करता है।

⑥ संविधान पर आधारित अवधारणा :- प्रत्येक देश के मूलभूत आदर्शों का उस देश के संविधान में ही उल्लेख होता है। ऐसे संविधान पर ही संविधानवाद आधारित रहता है।

इसप्रकार, सामान्यतया यह पाया जाता है कि प्रत्येक संविधान में यह सामान्य विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यह विशेषताएँ हर देश में कम या अधिक मात्रा में संविधानवाद के आधार के रूप में पाई जाती हैं।

Dr. Husna Ara
Asst. Professor

Scanned with CamScanner